>

Title: Loss of life and property due to floods and cloudburst in Uttarakhand.

श्री सतपाल महाराज : सभापति जी, उत्तराखंड में भारी वर्षा और बादल फट जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बादल फटने से 5 पुल व टिहरी में एक पुल बह गया है। राज्य के पिथौरागढ़, चमोली, टिहरी, पौड़ी, रूद्रप्रयाग, चम्पावत, बागेश्वर जिलों में व्यापक नुकसान हुआ है। अब तक करीब 80 लोग अपनी जान गवां चुके हैं। गंगोत्री, यमनोत्री, बद्रीनाथ, केदारनाथ जाने वाले मार्ग भूस्खलन के चलते बंद हैं। कलियासौड़, सेराबगड़ में सुंग न बनने के कारण वहां बार-बार पहाड़ गिरते हैं और मलबे से रास्ता बंद हो जाता है। नैनीताल जिले के रामनगर में बाढ़ से चुकूम, मालधन चौड़ तथा सुन्दरखाल क्षेत्रों में व्यापक नुकसान हुआ है। फूलताल से कोसी नदी तक यदि माइक्रो हाईडल की तरह अंडर ग्राउंड टनल बन जाये तो भरतपुरी, पम्पापुरी आदि क्षेत्रों के डूबने का खतरा समाप्त हो जायेगा। मालधनचौड़ में पीपल पड़ाव की तरफ 3 चौक डेमों का निर्माण कर दिया जाये तथा जे.सी.बी. से नदी को बीच से खुदवा दिया जाये तो वहां भी बाढ़ से होने वाली तबाही को रोका जा सकता है।

जनपद पौड़ी के विकासखंड बीरोंखाल के भैंसवाड़ा गांव, विकासखंड पोखड़ा के धैड गांव में दैनिक उपयोग की वस्तुओं का अभाव हो गया है। राज्य के करीब 1171 मार्ग आज भी बंद पड़े हैं। कीर्ति नगर ब्लॉक के सुपाणा गांव, देवप्रयाग विकास खंड का बुढ़कोट गांव के निवासियों का विस्थापन तत्काल आवश्यक है, ये गांव धंस रहे हैं। पट्टी इसरियाखाल का सौढू गांव भी धंस रहा है। पाबौ में पहाड़ खिसक रहा है जिससे काफी नुकसान हो चुका है तथा हो रहा है।

कुश्यानी, कोलानी और लामबगड़ में पिछले एक महीने से दूरसंचार सेवाएं एवं विद्युत व्यवस्था ठप्प पड़ी है। बरसात के मौसम में लोग खुले में जीवन जीने को मजबूर हैं, टेंटों तक का वितरण प्रभावित क्षेत्रों में शासन द्वारा नहीं करवाया गया है।

अतः मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि वे राज्य में आपात स्थिति से निपटने के लिए तथा आपदा में फंसे हुए लोगों को निकालने के लिए 3 हैलीकॉप्टर की व्यवस्था करवाए तथा राज्य सरकार को निर्देशित करे कि वह प्रभावितों को समुचित सहायता एवं पुनर्वास शीघ्र सुनिश्चित करें तथा प्रभावितों को तत्काल समुचित आर्थिक सहायता प्रदान करे।